1	2	3
	3. आसिया ब्राउन बोवेरी, जर्मनी (एबीबी)	तलचेर
	4. मैन एनर्जी, जर्मनी	दुर्गापुर
	5. टैक्नोप्रोग एक्सपोर्ट ऑफ रशिया (टीपीई)	नेवेली
	जल विद्युत यूनिटें :	
	1. एबीबी पावर जनरेशन, बदेन, स्विटजरलैण्ड	नेरिय्यामंगलम
	2. हाइड्रोपेवैक्स, स्विटजरलैण्ड	नेरिय्यामंगलम तथा कोरियंगलकुट्टू
	3. जनरल इलैक्ट्रिक कम्पनी, कनाडा	साबरीगिरी
	4. वोइथ, जर्मनी	हीराकुड-एक
	5. सिमन्स, जर्मनी	हीराकुड-एक
	6. वोइथ, जर्मनी (एल एंड टी के माध्यम से)	हीराकुड-दो
	7. ए. ई. जी. जर्मनी	कोयना-1 और 2
	8. नैरपिक, फ्रांस	कोयना-1 और 2
	9. हाइड्रो वैवै, स्विटजरलैण्ड	कोयना-1 और 2
	10. एबीबी, जर्मनी	मचकुंद
	11. वोइथ, जर्मनी	मचकुंद

दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान द्वारा उठाए गए घाटों के कारण

1688. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान के गत वर्षों में सुचारू रूप से संचालन हेतु 1200 करोड़ रुपये का घाटा वर्ष 1989 में बट्टे खाते डाला था;

(ख) क्या यह भी सच है कि वर्ष 1990-91 में घरेलू उपभोक्ता प्रयोग में आने वाली बिजली की कीमतों में 50% वृद्धि भी की गई थी तथा बड़े औद्योगिक विद्युत उपभोक्ताओं पर यह वृद्धि 150% तक थी;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सही है कि दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को अभी पुन: 470 करोड़ रुपये का नकद घाटा हो चुका है तथा राष्ट्रीय ताप विद्युत परियोजना के प्रति उसकी 2100 करोड़ रुपये की राशि बकाया के रूप में देय है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को निरन्तर हो रहे भारी घाटे के कारणों का गम्भीरता से पता लगाया है; और

(ङ) यदि हां, तो इन कारणों को दूर करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. बी. रंगैया नायडू) : (क) से (ङ) इस सरकार द्वारा 1989 में डेसू द्वारा बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र (बी.टी.पी.स.) को देय 1109.73 करोड़ रु० की राशि तथा 31.3.1989 की स्थिति के अनुसार केन्द्रीय ऋणों पर लगने वाले ब्याज की 297.42 करोड़ रुपये की राशि को, डेसू की वित्तीय वसूली योजना के एक अंग के रूप में बट्टे खाते में डाला गया था। घरेलू उपभोक्ताओं को दी जाने वाली बिजली की दरों में मार्च, 1991 में विभिन्न स्लैबों के लिए 48% से बढ़ाकर 166% कर दिया गया था। लघु औद्योगिक श्रेणी में यह वृद्धि 67% थी तथा बृहत औद्योगिक श्रेणी के सन्दर्भ में यह वृद्धि 50% थी तथा ऊर्जा प्रभार 44% थे। 1993-94 में डेसू को कैश फ्लो आधार पर लगभग 473 करोड़ रुपये का घाटा होने की संभावना है। 31.3.1993 की स्थिति के अनुसार डेसू बी.टी.पी.एस. को 2546 करोड़ रुपये का देनदार है। उत्पादित विद्युत तथा खरीदी गई विद्युत दोनों की लागतों में वृद्धि होने, अधिक खर्च, अधिक पारेषण एवं वितरण हानियों तथा कुछ श्रेणियों के लिए अप्रयुक्त टैरिफ इत्यादि के कारण डेसू राजस्व की कमी का सामना कर रहा है। डेसू की वित्तीय स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार समय-समय पर डेसू के कार्य-निष्पादन की समीक्षा करती है।

बदरपुर विद्युत केन्द्र में उत्पादन में कमी आना

1689. श्री राम जेठमलानी :
डा. जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र में पिछले कई महीनों के दौरान हो रहे औसत विद्युत उत्पादन की तुलना में अप्रैल, 1993 में विद्युत उत्पादन कम हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो पिछले महीनों में विद्युत उत्पादन की औसत मात्रा कितनी थी तथा 1 अप्रैल, 1993 को कितनी मात्रा में विद्युत उत्पादन किया गया;

(ग) बदरपुर विद्युत केन्द्र में अपर्याप्त मात्रा में विद्युत का उत्पादन होने के कौन-कौन से कारण हैं;

(घ) क्या सरकार द्वारा विद्युत के उत्पादन में आई इस गिरावट पर रोक लगाने के लिए कोई प्रतिरोधात्मक उपाय किए गए थे; और

(ङ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. बी. रंगैया नायडू) : (क) से (ङ) बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र से अप्रैल, 1993 से 374 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया गया जबकि अप्रैल, 1992 में यह उत्पादन 354 मिलियन यूनिट था तथा 1992-93 में मासिक औसत विद्युत उत्पादन 381 मिलियन यूनिट था। अतः बदरपुर की विद्युत उत्पादन करने की स्थिति संतोषजनक है। पर्याप्त विद्युत उत्पादन किए जाने के लिए सरकार बदरपुर को कोयले की निर्बाध रूप से सप्लाई किया जाना सुनिश्चित करने के हर संभव प्रयास कर रही है।

Cummulative losses *ot* the SEBs

1690. SHRI SURESH PACHOURI: SHRI IQBAL SINGH:

Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what are the cumulative losses of the State Electricity Boards (Statewise);

(b) what are the reasons *tat* the